

स्पन्दन

भास कोंकणी आवसु आमची। लिपि देवनागरी उडगासु दवराची।।

Date of Publication : 1st FEBRUARY 2020









केरळ कोंकणी अकादमी

कोच्ची

धा रुपया

स्पन्दन

प्रकाशन : केरळ कोंकणी अकादमी, कोच्ची

SPANDAN

Published by :
KERALA KONKANI ACADEMY
8/28, 'Santhery', 1st Floor,
Opp. M.S.C. Bank Ltd., Cherlai Road,
Cochin - 682 002. Mobile : 94477 35849
Email : keralakonkaniacademy@gmail.com

खंड : 9 | अंक : 2 | 1941 माघ

मुखचित्र :
1) केरळ कोंकणी अकादमीचि नवि कार्यकारिणि समिति
2) हरमलचे गणपत पार्सेकर कोलेज आफ एज्युकेशन
3) मंगळूर्चे सेन्ट अलोषियस कोळेज-हंगेली शिक्षणीक भोंवडीन्तु कोच्चीचे बरोवपीयि जाल्नु भेंट।

लेखनान्तुली मतां त्या त्या बरोवप्याचीं

प्रति - ₹ 10/-
वार्षीक - ₹ 100/-

संपादकीय

केरळान्तुलो कोंकणी दिवसु

1966 डिसम्बरान्तुलो आखेरचो आय्तारु तँ कोच्चीन्तुले कोंकणी भाषा प्रचार सभेचो औद्योगिक स्थापन दिवसु। दिक्कून डिसम्बरान्तुलो आखेरचो आय्तारु कोंकणी दिवसु जाव्नु केरळान्तु मनाय्ताति। सभेन कोंकणीक मान्यता मेळूक जाव्नु कळ्ळोलो प्रयत्नु सफलीकृत जल्लो। सग्ग कडेनयि, सग्ग रंगान्तूयि। भारतान्तुले कोंकणी प्रचाराचे प्रथम भवन थांयि कोच्चीन्तुले चेरळाई वाठरान्तु सभेले तरपेन तँ जल्या।

अंदूचे कोंकणी दिवस कार्यक्रमान्तु (29.12.19) 2015 चे (रजनी अशोक भेंब्रे) अनि 2016 चे (हर्षा सद्गुरु शेट्ये) एन. एम. सरस्वती बाई साहित्य पुरस्कार वितरण जल्लें। कोंकणी खाणा भण्डाराचे उद्घाटनयि जल्लें। गोश्रीपुरं संयुक्त ग्रामसभेचे आभिमुख्यारि श्रीनरसिंह प्रसाद सभाग्रहान्तु कोंकणी भक्ष्यमेळायि चम्कीलि। दोन्नीयि कडे कोंकणी केन्द्र-गोश्रीपुर संस्थेचे तरपेन कोंकणी पुस्तक प्रदर्शनयि अस्सिलें। अलपळेयि कोंकणी भक्ष्यमेळा जल्ली। कोषञ्चेरि श्रीकृष्णस्वामी देवळान्तूयि ग्रामसभेन कोंकणी दीसु मनायलो। सगटालगीयि एकि अपेक्षा मात्र-देवनागरि लिपीक लगेन प्राधान्य दिंवचाक विसोर्नक्कायि म्होणु।

कोच्ची, 01-02-2020 — सुरेश ए. शेणै, मुखेल संपादक.

29.12.19, कोच्ची :- कोच्ची दोवोर्नु एकडे जालेले केरळ कोंकणी अकादमीचे सर्वांग सभेन नवी कार्यकारिणी सभा वेंचून कळ्ळि। पी. एन. कृष्णन (अध्यक्षु), टी. आर. सदानन्द भट्ट (उपाध्यक्षु), प्रो. जी. मोहन रावु (कार्यदर्शी), चन्द्रबाबु यु. शेट्टी (संयुक्त कार्यदर्शी), एन. रवीन्द्रन, (खजान्जी) आनि के. विश्वनाथन, अडॅ. वी. एन. वसन्त कुमार, के. प्रकाशन ए. पी. भानुप्रकाश, एन. प्रभाकरन, बी. राधामणि, के. विजयन, सुरेश ए. शेणै आनि हांका अंग जाव्नुयि वेंचून कळ्ळिं। (मुखचित्र)

11-1-2020, H & C Books Hall, 1st Floor, एरणाकुळम :- पी. जी. कामत फौण्डेषन हंगेलो "स्नेह मिलन" कार्यक्रमु माधव बोरकार हन्नि उद्घाटन केल्लो। डॉ. के. टी. सुभद्रा, सूर्या अशोक, राणी रामकृष्ण किणि, पी. रमेश प्रभु, उदयलाल एल. पै हन्नि भोंवडेचे अनुभव दिल्ले। "उर्बा" कोंकणी ह्रस्व चलचित्राचे प्रदर्शनयि अस्सिले।

27-12-19, प्रभाकर ज्योति सभाघर, कोच्ची :- शिक्षणीक भोंवडेचे निमित्तान कोच्चीन्तु पाविले मंगळूरु सेय्न्ट अलोषियस कॉलेजान्तूले शिक्षकां अनि विद्यार्थियांनि कोच्चीन्तु लेखकांलि भेंट घेत्तली।

28-12-2019, पच्चा श्रीकृष्णा देवळ, कोच्ची :- विद्याधर प्रभु अनि सन्ध्या हंगेले विवाहाचे 25 वें वार्षिकानुबन्ध जाव्नु घडेय्लेले सत्संगान्तु कुलदीप आर. शेणै अनि संगातींगेले "श्रीकृष्णलीला" हरिकथा अनि भजनसंध्या अस्सिलें।

5-1-2020, ग्रोवर्स क्लब, सदाशिवगड, कारवार :- अखिल भारतीय कोंकणी परिशदेन "मनोमिलन" कार्यक्रमु घडोव्नु हळ्ळो।

26-12-19, "भांगरभूंय" कोंकणी कॅलेण्डर 2020 गोवा मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सांवत हांचे हस्तुकीं विमोचन जल्लें।

19-1-20 एरणाकुळम टी.डी. देवस्थाना मुक्कारि :- जी.एस.बी. विकास परिषद आयोजित कोंकणी भक्ष्यमेळा अस्सिलि। रंगवेदि गोश्रीपुर हंगेले "आत्मविलाप" केरी नाटकयि अस्सिलें।

संत केशवदासालि हितोपदेश कथा – 53

प्रो. बी. शिवानन्द भट,
पंचाब्जपुरम

प्रभु पाण्डुरंग अनि सावता माली

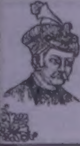
सावता माली एक साधारण उद्यानपालक अस्सिलो। एकादशीक जन पंढरपुराक वत्तानी, किन्तु सावताक तगेलें कर्तव्य-सरस्यांक अनि रुक्कांक शिंप्पूचें अनि फुल्लांक संरक्षण दिंवचें-कोरूक अस्सिलें। अतः तका वच्चाक जल्लें ना। ताणे प्रार्थना केल्ली "पाण्डुरंगा, सर्वव्यापी प्रभो, दिव्यप्रकाशा, तूं सर्वव्यापक जल्यारीयि मिगेले हृदयान्तु तूं अस्स म्हणु मका दिसता। जल्यारीयि एकादशी वेळारि लक्षु लक्षु भक्त अनि सन्त तुगेलें पवित्र नामस्मरण कोरूक एकत्रित जांवचे वेळारि थंगा येन्नु तूंवें इष्टिकेरि रब्बून नांचता चोंवचाक मका इच्छा। भक्तीन नांचूचे तुगेलि शिलामूर्ति दिक्कूक इच्छा। हे प्रभो, देहान थंगा येंव्याक मका जायना जल्यारीयि, सर्वान्तर्यामी अनि सर्वशक्तु तूं कृपया हंगा येन्नु मका दर्शन दी।" हंगा सावता प्रार्थना करता, थंगा पंढरपुरान्तु सन्त नामदेव गायन करता, सहसा विट्ठलाले मूर्तीचे दोळ्यान्तु थकून अश्रुबिन्दु पळ्ळी। नामदेवान प्रश्नु केल्लो, "पाण्डुरंगा, कित्तें जल्लें ?" विट्ठलु सांगता, "लक्षु जन अयलीं, परन्तु मिगेलें एक चेरडुं उद्यानान्त अस्स। हांव थंगा प्रकट जांवका म्हणु तगेलि इच्छा।" नामदेवान सांगलें, "प्रभो, जल्यारि अंकां थंगा वच्चा वे ?" तदनुसार नामदेव, ज्ञानदेव अनि पाण्डुरंगु सावता समक्ष स्वयं प्रत्यक्ष जल्ले। *(शेष लगी अंकान्तु)*

सुभाषित

प्रो. के.एन.आर.भट
कोच्ची

"शैले शैले न माणिक्यं, मौक्तिकं न गजे गजे।
साधवो नहि सर्वत्र, चन्दनं न वने वने।।"

सर्वयि पर्वतां वॅयरि माणिक्य अस्सना; पूराय हस्ते मस्तकान्तूयि मोति मेळ्ना, गन्धा रूकु सर्व रन्नान्तूयि अस्सना, त्याचि प्रमाणि सन्त-सज्जन सर्व कडेनॅयि अस्सनायि। (अमूल्य वस्तु लोकान्तु अति दुर्लभ; तें जांका जल्यारि सोद्दूनु वोच्चूका; अनि प्रयत्नु काडका जत्ता म्हणु तात्पर्य) झरेल्यारि, कत्तर्ल्यारि कित्या जॅळेल्यारि सरि परिमळु दिंवचो तं चन्दन वृक्षु। त्याचि प्रमाणी द्रोहु दिलेल्यांक सरि चंगपण करचे तं सत्पुरुष; ते ये जगान्तु अतिदुर्लभ।




अक्बर बिरबल - 3

ए. आर. प्रभु, कोच्ची

दुद्दि खेल्यार बुध्दी येत्ता ?

एक दिवसु, लगि राज्याचो एकु दूतु अकबर रय्याले सभेन्तु एय्लो। "राजन्, एक भुडकूळो बुद्धी घेव्नु एंवचाक मक्का रय्यान पेट्टेय्ला।" अकबर बिर्बलाक चोय्लो। बिरबल "जायत! जल्यारि एदे दीस लगतले।" "जावो" म्होणु दूतानयि म्हळ्ळें।

बिर्बलान इत्ते केल्लें म्हळ्यारि एद्देचि तोण्ड सान अस्सिले भुडकूळे हाडेय्ले। रांवदेय्कायि वोवून कोर्चेकडे वोचून एकेक भुडकूळ्यान्तूयि दुद्दिया फळ धर्लेले गोंवटे चोडोव्नु दवर्ले अनि सेवकालगि संगीले, "एकु दोळो दवरि ! भुडकूळे हांव संगतरि मात्र कळयारि पूरो कवे !" एदे दीस वोच्चानीक एकेकि दुद्दीयि भुडकूळ्या तेद्दि जल्लि।

राज्यसभेन्तु दूताक उळ्दूनु एकु भुडकूळो दिल्लो अनि संगीले, "एच्वेयि! एकु भुडकूळो बुद्धी ! तुग्गेले रय्याक व्होर्नु दी। जल्यार एक कायरिं अस्स। बुद्धिये फळ काणु भुडकूळो तस्सीचि अम्का पोर्तून दींव्का। तुम्मी काडचे वेळारि बुद्धिये फळाकयि एकु घायि सरि पोणत्तिलें चोंव्का। तुग्गेले रय्याक जाय जल्यारि एदे भुडकूळे बुद्धी लगेन अम्चे लगि अस्स म्होणु सांग, इत्तें?"

तो दूतु भुडकूळोयि घेव्नु गेल्लो। राज्यसभेन्तुले सगटांकयि हस्सूनु हस्सूनु पूरोयि जल्लें।

कर्नाटक कोंकणी अकादेमीचे रजत जयन्ती आघोषु 22-23 फेब्रु 2020 क कार्कळान्तु जत्ता म्होणु संतोषाची खबर।

27-12-19, दिल्लि आकाशवाणीचे "सर्वभाषी कविसंमेळन 2020" न्तु डॉ. हनुमंत चोपडेंकार कोंकणी प्रतिनिधि अस्सिले।



उपदेशु

- कु. अञ्जली किणी, कोच्ची

पेळ्तां कांय मेळ्ना जल्यारीयि
अळ्तां संतोषान द्रित्ताय
कसले मोल्लाक तुक्कूनत्तिल्ले
उपदेशु सौजन्य विरकीताय।

निंवगुच्चो सरि ना तोडोवु
दिंचा सगटेय केदनाय तैय्यार।
तवळि समयाचो ना कसलो ऊणावु
वत्ते नवे केदनाय कन्नाचे द्वार।

केद्दाणा इत्तें कशि कोरका
कळ्ना वे ? काणक्का विचार
तुम्का सोणु सगटांकय ते कळ्ता
तन्नि उपदेशु दित्तलि ते प्रकार।

दिस्सा तिन्नीय वेळारि आयक उपदेश
संग प्रश्नाचेय जत्ता परिहारु
सगटालोय उपदेशाचे हेतूचि नवे
सुमसुमी चोंवकता ह्यो संसारु।। ❖

कोंकणी - മലയാളം - English

- शैलेष कम्मत. एम., कोच्ची

फूट करप - വൃത്തിയാക്കുക/ ശുചിയാക്കുക/ വെടിപ്പാക്കുക - To clean

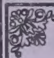
झाडप - അടിച്ചുവാരുക /തൂത്തുവാരുക - To sweep

घस्सप - തേയ്ക്കുക - To brush/scrub

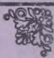
फपडॅपॅ - കുടയുക / തളിക്കുക - To dust / strew / sprinkle

खर्डप - ചിരണ്ടുക - To Shave / Scrape

घष्टप - ഉരസിക്കളയുക - To Abrade



चौपदी



- विजयकुमार एन. पै, कोच्ची

ना जल्लि संसारान्तु भय भक्ति
तुच्छ जल्लि सत्याचि शक्ति
दूर जत्तास न्यायाचि दृष्टि
दी देवा अम्का भक्तीचे शक्तीन मुक्ति।

एक प्रयोजनप्रद कोंकणी वेबसैट :
konkaniwordnet.unigoa.ac.in

"भांगरभूंय" कोंकणी दिनपत्र
वच्चायि ओणलैनः
epaper.thegoan.net





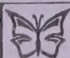
विश्व मानव महात्मजी-40

कृष्ण नारायण नायक, कोच्ची

"सेवाग्राम जन्मु घेत्तलें"

षिगांव आश्रम व्होड जालें, जग विख्यात जालें। तें गान्धीजीलें आस्थान जालें। औषधशाला, आशुपत्रि, दुद्दा डयरि, गज्जनि, फल वृक्षवाटिका, नन्तना एक स्कूळयि थांगा स्थापित जाले। तीर्थयात्रेक निक म्हळ्यावरि थांगा धूरा धूरा थाकून जनप्रवाह आरांभलो। स्नेहान जनमानस जिक्विल्ले जननायकाक दिकूक विदेशीय एत्तायि अस्सिले। अपरूब अनुभव, अनन्य आनन्दु आगतांक सग्ग आश्चर्य भर्तालो। सप्ताहाक, मास भरि राबूक पांवतल्ले तस्सि, दिसपडते सन्दर्शनाक एंवचे आश्रम बारायिकाळ सजीव सक्रिय आसतालो। विकास सग तस्सि जत्तालो जल्यारीयि थांगाचि चालि चलवण इम्मेक गुप्सलीना। नियमावलि सोणु राबूक कोणाक अनुवाद ना अस्सिलो। स्वातंत्र्य समराचे समग्र व्याप्त विपुल काम गान्धीजी थांगा थाकून चलैतालो। खोटे भरि बर्पं एत्तालिं। तांका युक्त जाप पेटैतालिं। राजनीति प्रवर्तक तान्तु कर्मनिरत आसताले। कोन्ग्रस आनि गान्धीजी अविभक्त जाले। नेता, अध्यापकु, रक्षकर्तारु, धर्मबन्धु राजनीतिज्ञु तस्सि प्रवर्तन मण्डल बहुमुख जालें। गान्धीजीले प्रभावन्त व्यक्तित्व आनिकयि पुष्टिवन्त प्रबल आनि प्रज्वल जालें। गान्धीजी लागि निमगून समझूनत्तिले कसले कोर्चे ना म्हळेलें जालें।

थांगाचे डाकघर (पोस्ट आपीस) पन्चड मैल धूरा तं अस्सिलें। गान्धीजीलो कार्यदर्शी प्रवर्तन त्रासा वयरि दिसपडते तपाल पेटौंचाक पावटि घालतालो। महादेव देशायि तितूलो अर्पित सेवक अस्सिलो। गिम्मारि रकरकी वोत, वर्षाडीचें कण्डणाघोर पावस, समभावनेरि तें सग सहन कोर्नु वार्धा तपाल आपीसान्तु वचे कोर्चे तांगेले सेवन निस्तुल्य ! कडेरि अधिकार्यानि आश्रमालागि पोस्ट आफीस आरांभूक अनुवाद दिल्लो। निर्णयु जालो व्हय, म्हळ्यारि थांगा अनियेकु प्रश्नु उद्देलो। षिगांव नांवारि दोनि स्थलं त्या जिल्ले सीमेन्तु अस्सिलीं। तें दिकून आश्रम वाट्रा स्थलाक नांव पर्तूका म्हुण तपाल विभागा निर्देश आयलो। कस्सोलो गोन्दोळ कलह नात्तिलें गान्धीजीन अनुयोज्य उपयुक्त कमनीय नांव वेन्चूनु कळ्ळें - सेवाग्राम (सेवन केन्द्र-श्रमस्थल)! ❋



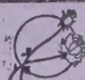
देवा तू खंय अस्स?

श्रीकान्त एन. पै, कोच्ची

अम्मान....
हल्लडीर बेस्सोव्नु संगीने,
"बेसला चोय, हात एकडे कोर्नु धरि"
कष्ट.... हांवें दिक्किल्ना मू तुक्का !

बप्पान....
भुज्जारि बेस्सोव्नु संगीने,
"बेसला चोय, हात एकडे कोर्नु धरि"
कष्ट.. जल्यारि हांवे दिक्किल्ना मू तुक्का!

दिस्सा 6 तुप्पा दिवले उजवाडारि
हांव तुक्का सोदीता अस्स
देवा.... तू खंय अस्स ?
"हांव हंगाचि अस्स"
हांव घूवनु चोय्लो
"मेग्गेले हल्लडीर बेस्सून मू रे पुत्ता,
तू मक्का सोदीता"
"मेग्गेले भुज्जारि बेस्सून मू रे पुत्ता,
तू मक्का सोदीता"
हांव पोर्तून चंवकीलो
मेग्गेले घरकडे
मेग्गेले दैंवाक सोदूनु
तो थंय अस्स !



भंगरा पूतु

- श्रीकर भट. बी. कोच्ची

यो रे मिगेले भंगरा पूत्ता
खाण खंचाक वेळु जल्लो
सकाणीचे केळ्या बाळूक
देनपाराचे कुक्का बाळूक
संजेचे मण्ड्या बाळूक
अनि रत्ति कप्पे बाळूक (यो रे)

अम्मा करतलि पत्तोरवोडो
बप्पा हडतोलो उडिदा अम्बाडो
दुद्दळि, पत्तळि, पूरणपोळि
पूतु खत्तोलो पोट भोर्नु (यो रे)

सक्काणि खंचाक इड्डलि साम्बारु
पोळ्या कुट्टान्तु नरला तंबळि
घश्शि वल्वल अळिचकरि
पुत्ताक जेंचाक सारु उक्करि (यो रे)

कुक्का बज्जा घोस्ळ्या बज्जा
संजे खंचाक गुदग्या बज्जा
रत्ति खंचाक चणा बत्तूरा
पूतु खत्तोलो केळ्या हलवो। (यो रे)

सूरदास भजन

- के. अनन्त भट, कोच्ची

उधवा ! आमी आजि जालीं भाग्याचीं।
ज्या दोळ्यानी तूं श्यामाक चोयलो,
ते दोळे आमी पळेयताचीं।।

कशि की फुल्ला गन्धु घेवुनेवचें,
वारें भँवरा-मोगाचें।
अति आनन्दु जाता तो कशिकी,
आंग तें सुख भोगाचें।।

कशि की कन्नडेंतु रूप तें चोव्नु,
दृष्टिक रुचि ती जोडची।
सूरदासु तशि हरि मेळता आमकां,
विरह व्यथा देह सोडची।।

घुसपुचे शब्द

- सरस्वती एस. प्रभु, कोच्ची

भोव्रो Top	ओव्रो Indian Beans
घोंगो Stranger	घोंगु Coconut Apple
मड्डी Arecanut Tree	मॅड्डी Sediment of Oil
दाटी (दाट) Thick	धाटी Voice
मारु Beat	म्हारु Harijan
कोल्लो Fox	खोल्लो Glass

आळें (കടങ്കഥ / Riddles)

"सग्ग बयलांकयि हांव जायि। मक्का तीं घरां भित्तेरीयि, अंगणान्तूयि, मैदरान्तूयि सग्ग घेव्नु भोंव्तनि। एदे घडियेक मात्र ! मगीरि तीं मक्का काणु मुल्याक बेसेयतनि। मगीरि दृष्टिबेट सरि अस्सुन्रा।"

सार्नि

कोंकणी मूल शब्दाचे विस्तार परिचय

- नागेष अण्वेकर, कारवार

दोळे भरले - मनानंद, संतुष्ठ, खुशी
दोळो वयर जाला - मरण (अजागुरुकता)
दोळे रगत ना - क्रूरि, कठोरि, रागिष्ठ
दोळे वायट - पाड दृष्ठि, वक्रदृष्ठि
दोळे दवरता - मनाभिलाष, वक्रदृष्ठि, कामा



देवा! तूंचि तुक्काचि राक!

- गोश्रीपुरं हरिकुमार

देवा ! हांवय तूंवय जाव्नु अंतर (व्यत्यासु) इत्तें ?
तूं भित्तरि रब्बीला, हांव भायर बेस्सला !
मक्का तुझेलगि निंगूयात, संगूयात - इत्तेंय, केदणायि,...
तूं तें दित्ता, मिगेले काम जत्ता... जल्यार तुगेले काम ?

तुजेलगि दुड्डु अस्स, ऐश्वर्य अस्स, दिक्कून तूं भगवान !
तूं दित्ता... सगटांक दित्ता... जायजल्लेले दित्ता।
जल्यारीयि तुगेले काम मात्र अस्सि इत्याक ?
पेम्प्रेकारि ना, धोल्लकारि ना, भेरि वाजूचो ना,
रंद्पी ना, पल्लक्के खांदु मार्चो ना, गाय्क चोंवचो ना।

दुड्डु जाय जल्लेले अस्स तुझे लगि
जल्यारि पेरें पोंवता इत्याक ?
हंगा-थंगा थर-थरेता इत्याक ?
खेळूक अस्सयि, सोर्गो सोडूक (उबोंव्चाक) अस्सयि,
तुगेलि सेवा कोरूक मात्र कोण ना इत्याक ?

खंय चुकता, कोण चुकता, कस्सि चुकता, इत्याक चुकता ?
सगटेंयि तंगेलो प्रश्नु तुझेलगि संगतायि,
तें आयकूनु तूं मनान्तूचि हस्ता दिस्ता,
कि तुगेलो प्रश्नु कोणालगि सांगचे म्होणु लेक्कूनु।

आशिले नाशिल्ले सांगता

- आर. एस. भास्कर

दृश्य -
रोखडेंच पळेयतालें
आनी
खरेंपणी उलेयतालें
अदृश्य -
कांय पळेयनाशिलें
पुण
आशिल्ले नाशिल्ले
सांगतालें।

पञ्चोपचार पूजा

1) गन्ध
2) पुष्प
3) धूप
4) दीप
5) नैवेद्य

पुस्तक प्रकाशन * 2020 जनु 11-12, रवीन्द्र भवन, मडगांव (गोंय) :- वाटे वयलें रगत - वेंकटेश नायक, भितरलो कवी - वल्ली क्वाड्रस, मासां - अँथनी बार्कुर * १) संगत २) नवी जाग - तुकाराम शेट * मॅडम हेस्टर प्रीन (मूळ नथानील हॉथॉर्न हंचे "द स्कार्लेट लेटर" ये इंग्लीश कादम्बरीचे कोंकणी अणकार) - स्व. नरेन्द्र काशिनाथ कामत * आत्म-ब्रह्म (कविता संग्रह) - मनोज नरेन्द्र कामत।

बायलाँ खातिर (ददल्यांकय) - उषा आर. भट, हैदराबाद

सामग्री

1. पिक्कल्ले पप्पाय फळ - 500 ग्रां
2. गोड - 200 ग्रां
3. नरलाचि सोयि - 1 नरलाचि
4. तूप - 50 ग्रां
5. कज्जूबी, सुक्कें द्राक्ष, बदां, एलु, सुक्के नरला कत्तळि इत्यादिक मेळ्नु - एक मूष्टि

गोड, उदकान्तु मेळसाव्नु, कोयरु पत्थर अस्स जल्यारि गाळ्नु काडका। पिक्कल्ले पप्पाय फॅळ, सालि व गुण्टि काणु उड्डोव्नु, सान-सान कुटके कोर्का। पोंद दाट अस्सिले आयदनान्तु उणे तूप घाल्नु, ये कुटके, हरवण्टाणि वच्चाक पुरॅसि चाळ्नु हून कोर्नु काणु, निंवतॅरि हथानि चिर्डूनु लेय कोर्का। तन्तु गोड्डा उद्दाकयि रक्कोव्नु खतखतांका। नरला सोय्येचो रसु काणु तन्तु रक्कोंका। कज्जूबी व बदां, सान सान कुटके कोर्नु तुप्पान्तु भज्जूनु तन्तु घाल्का। सुक्कें द्राक्ष व नर्ला कत्तळे कुटकेयि त्याचि प्रमाणि तुप्पान्तु भज्जूनु घाल्का। एलूयि धड्डाव्नु, पुड्डी कोर्नु घाल्नु, सर्वयि मेळसूनु मेळचे खत्तीरि अर्ध घंट्याक धंपूनु दव्वोर्का।

2020 जनु 11-12, रवीन्द्र भवन, मडगांव (गोंय) :- कविता ट्रस्ट अनि कोंकणी भाशा मंडल, गोंय एकमेळ्नु घडोव्नु हळ्ळेले "कविता फेस्ट - 2020" कार्यक्रमान्तु "मातियास कुटुम्ब कविता पुरस्कार - 2019" ग्लादालूप डायस हिक्का दीव्नु सन्मानित केल्ली। कविता वाचन, मुखामुख, भुर्ग्यांलें - युवकालें कविता सर्तांचे फैनलस, अखिल भारतीय कोंकणी कविता बरोवपी सर्ताचे [गोंयचिं कु. सानिका राजय पवार (रोबोटिक मम्मा), कु. अनिशा गांवडे (प्रस्न) अनि कु. दीक्षा शेट मांद्रेकार (हांव रेडियो उलयतां) हंका प्रथम, दुसरे अनि तिस्सरे स्थान] पुरस्कार वितरण इत्यादि अस्सिलें।

स्मृति - आर. के. प्रकाश पळ्ळूर



Dr. P. N. N. सिंह
डॉ. प्रश्नु ना नरसिंह
SSLC, PDC, BSc.,
MBBS (3 times)

वखद काणु घेव्नु दुड्डय दीव्नु रामु निंवगीता : डॉक्टर माम, सत्य अनीक विश्वासु इत्ति व्यत्यासु ?

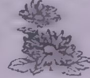
डॉक्टर : प्रश्नु ना, तुक्का असुखाक हांव दिल्लेलें वखद सत्य। जल्यार तू मक्का दिल्लेले पिंजले नोट कोणेय पुणीय काणघेतलो म्हळोलो मिगेलो विश्वासु !

* * * *

डॉक्टर - चेल्लमामु तुम्मी दिल्लेले पैंसी रुपयाचे चेक्कॅ परतून अयले।

चेल्लमामु - प्रश्नु ना, डोक्टर सायबा, मज्जि कुरट्टा दुक्कीय तसीच परतून आयलेलि असा. सेम चिंटो।

कोंकणी खबरेक चोय्यायि/पळेयात :
facebook - कोंकणी केन्द्र-गोश्रीपुर



परणी म्हणी

- श्रीदेवी सुरेश प्रभु, कोच्ची

- तॅणा घरां रब्बूनु
  उज्जा खेळु खेळ्ता वे ?
- तेल जळता देवालें,
  भट्टान कित्याक रोड्चें ?
- तोंडान चाँगु
  पोट्टान्तु विषा गूळो।
- तोवो तप्पॅल्ले वेळारि
  रोंटि भज्जूनु काडका।
- दरिद्रु तुम्बो खत्ता पोट्टाकॅ,
  रायु तुम्बो खत्ता वोकदाक।

चेर्डुवांलि चित्रॅं





कु. ऋध्दी डी. पै (7)। दीपक जी. पै. कोच्ची अनि रश्मी हांगेलि सुपुत्रि।

पण्डितु अनि मोंचुवकारि

- वसन्तकुमारी पी. एस., कोच्ची

एक दीसु एकु पण्डितु धावनु गंगे तीरारि पवलो। तक्का पेलतडि वोच्चूका। मोंचुव पेलतडि थाकूनु एत्ता मात्र। गोंचूवारि अस्सिल्ले देवले। पण्डितु उडकि मार्नु मोंचुवारि चोळ्ळो। अनि कोणेयि एवंचाक अस्स जल्यारि एवोयि म्होणु मोंचूवकारि रबीलो। जल्यारि पण्डितान तक्का उल्लोव्वाक आरांभीले - "तू कस्सोलो मनीषु कि ? मोंचूव सोडि। मक्का रय्याले सदस्सान्तु वोग्गि पावंका जाव्नु अस्स। !" ताणे मोंचूव सोळ्ळें।

पण्डितान मोंचूवकारा लगि एक्केक प्रश्नु कोरूक आरांभीले। "अरे, तूंवे वेदु म्हळ्ळोलो अस्सवे?" "अय्यो स्वामी, हांवे शालेचे कवड सरि दिकिलेना। मगीरि कस्सि वेद सिक्कूक कि ? उडगासु जायत थाकूनु ये मोंचूव एलतडि पेलतडि व्होर्नु तं हाँवय मेगेले सान कुडुंबयि दीस कडतायि।" "जल्यारि तुगेलो अर्धु जन्मु व्यर्थ जल्लो। अस्सो, तूवें रामायण, महा भागवत इत्तेय वच्चिल्लें अस्स वे ?" "ना स्वामी हांवे तसले कांय अय्किल्ले सरि ना।" "जल्यारि तुग्गेलो मुक्काल जन्मूयि व्यर्थ जल्लो" म्होणु पण्डितान संगिलें अयकूनु तो मोंचूवकारि दुःखित जल्लो।

तन्तु भरसि नदीन्तु झोडु वारें एवंचे लक्षण दिक्कीलें। मोंचूवकारान पण्डितालगि "हे स्वामी, तुमका पोंवचाक कळता वे ?" "ना मू ! मक्का पोंवचाक कळना" म्होणु पण्डितान संगिल्लेयि झोडु वारें मारूक शुरु जल्लें। तवळि मोंचूवकारान पण्डिता लगि "स्वामी तुम्गेलो सगळो जन्मूय व्यर्थ जल्लो मू !" ते संगिल्लेय झोडु वार्यान्तु मोंचूव बुड्डलें। मोंचूवकारि पोवनु पेलतडि गेल्लो। अहंकारि पण्डितु नदीन्तु बुड्डूनु मेल्लो।

सगटांकयि पण्डितावरि सग्ग ज्ञानयि जायि म्होणुना। एकल्याक ज्ञान ना म्होणु संगूनु तक्का अम्मि निन्दा कोरूक पाणा। तक्कायि इत्तेयि पुणि गुण असतले म्हळेले खण्डित तं।

कोंकणी केन्द्र-गोश्रीपुर आयोजित प्रतिमास कोंकणी कवि संगमं "विकारि मार्गशीर्ष" 14-12-19 क, "विकारि पौष" 11-01-20 क सुशीला टी. भट हंगेले घरकडे जल्लें।

07-01-20 कोंकण एज्युकेशन ट्रस्ट, कुमटा - कर्नाटक कोंकणी साहित्य अकादेमीन स्व. माधव मंजुनाथ शानभाग हंगेले उडगासाक विविध कार्यावळ घडोव्नु हळ्ळि।

जीवालि अन्त्य यात्रा

- एन. माधव रावु, कोच्ची

कर्मभूमीरि देह सोडता
अन्तरीक्षान्तु जीवु वत्ता।
पुण्य-पापाचे फल भोगूक
वत्ता जीवु स्वर्गारि ना नरकान्तु।।

नरकान्तु मेळ्ता यातना देह
स्वर्गारि दित्तायि उत्कृष्ट शरीर।
पुण्य सरलारि एत्ता तो मर्त्यलोकाक
पाप सरलारि सोडता यातना देह।।

सूक्ष्म शरीराक ना पंचेन्द्रिय
तजान जायना जीवाक पोळोवंचाक।
देह नत्तिले जीवाक उल्लोंवचा जायना
आजि थांयि देह सोळोलो जीवु उलयलोना।।

उपनिषद पुराण संहिता गीता
हन्तु सोदिल्यारीयि मेळना इज्जी जवाब।
अवतारपुरुषयि ब्रह्मज्ञानीयि
देह सोळ्यारि पोरतून एज्नु कांयि संगना।।

"पुनरपि जननम्" म्होणु संगील्लो
जगत्गूरु शंकराचारि अयिलो वे पोरतूनु ? ना।।

चौपदी

- एन. सदानन्द कम्मत, कोच्ची

ज्ञान मेळ्यारि अज्ञान ना जत्ता
उजवाडु एयल्यारि काळूक ना जत्ता
दामु मेळ्यारि दारिद्र्य ना जत्ता
भोजनान भुक्कय ना जत्ता।।

आयकिलि रस्पति



भिकमग्री - इत्तें खोत्तो यें, एकु रुपया? थंगा बेस्ल्याक तुम्ही धा रुपया दिल्ले मू ?
दानि - तुक्का कस्सि कळ्ळें ?
भिकमग्री - ताणे मक्का वाट्साप केल्लें। अम्मि सग्ग एक वाट्साप ग्रूपाचे मेम्बर तँ। हाँ !



डॉ. टी. एम. ए. पै फांवडेशनाचो 2018 चो सर्वोत्कृष्ट ग्रंथ पुरस्कारः- **"गोंयच्या लोकवेदाचे सौंदर्य शास्त्र"** - डॉ. पाण्डुरंग फळदेसाय

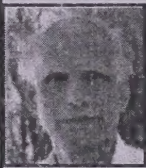
कोंकणी नाटक * रवीन्द्र भवन, कुडचडें (गोंय) :- सांगें अनि केपें म्हाल मर्यादीत 6 वी कोंकणी नाटकांचि (नाटक मत्सर) सर्त जनु 4-17 क जल्लें। नाटकँ - दीन दीक्षित भुतां खळ, मान रेस्पेद्र लाय खुट्याक, कोड मंत्र, जागर, मॉडर्न व्हकल नवरो लोकल, अशी ही एक घडणूक, मावोड्डे एक्सप्रस, निमणो मार्ग। 17 क पुरस्कार वितरण नन्तर वन्स अगेन माय, माय वाँटेड हें नाटक अस्सिलें। * मा. दत्ताराम सभाघर, राजीव गांधी कला मन्दिर, फोंडे (गोंय), 20 फेब्रु 20 - मार्च 24 :- कला अकादेमीची 44 वी कोंकणी नाट्य स्पर्धा जत्तली खंय। 21 नाट्य संस्थो भाग घेत्तनी म्होणु खबर। नाटकँ :- पानावेलो थेंबो, हे साइनाथा, लाखात्तल्लो एक नव्हरो, राखण, सुंवारी, हांव सविता, वाय ऑफ व्हय, सूर्यपूत, अहिल्या, द कन्सिल्ड, वणटी पळयतात आं, बाव्ली घर, आजून कांयच जांवना, अप्रमेय, हांव ते आनी तो, कल्पवास, कासाळें आनी घोसाळें, एच.एम.व्ही., ओ. नाईकानु, लॉग आवट रंगयात्रीक * 13-17 जनु. 20, पणजी :- कला अकादेमीचे विद्यालयीन एकांकी सर्त (मत्सर) दिनानाथ मंगेशकार कला मंदिरान्तु जल्ले। कोंकणी एकांकी - कालचक्र, देव आसा काय ना, भुतावळी, वर्सल, नचिकेतस, देवाली दुकां, शून्य, झोपडपट्टी, अ ब्लॅक डायमंड, एका न्हंयेचो पुनर्जल्म * 20-24 जनु. 20, पणजी :- कला अकादेमीचे उच्च माध्यमिक अनि म्हाविद्यालयीन एकांकी सर्त (मत्सर) दिनानाथ मंगेशकार कला मंदिरान्तु जल्ले। कोंकणी एकांकी - द व्हायट लाय, ॲबसर्ड, द थर्ड पर्सन, चल्लां तें बरें चल्लां, पेंदे, बनखणींतलीं मुक्त मनां, मर्णकटो, चलता वाट अश्वत्थामा, पुनम का चाँद, आकांत, पश्चाताप, रोयणींतलो सोरोप, काणी सतिची, कलाकार, आर फॉर रॅगींग, मेलो तो जगन्नाथ * 18-1-20 कोच्ची टी.डी. देवळाचे पश्चिम गोप्रा भायर :- रंगवेदी-गोश्रीपुरं हन्नि प्रस्तुत केल्लें केरळान्तुले पयले कोंकणी केरी नाटक "अत्मविलाप"*। 9-2-17 कोच्ची सिन्द्रा भोगोन्ती तलपूली - गोश्री कलाक्षेत्राले हास्य नाटक "जम्बक्का तियेटर्स" * राजीव गान्धी कलामंदिर, फोंडा (गोंय) - हन्नि, अन्त्रुज ललितक-फोंडा, विश्व कोंकणी संगीत नाटक अकादेमी अनि कला आनी संस्कृती संचालनालय-गोंय सरकार एकमेळ्नु घटित कोर्वे विश्व कोंकणी नाटक महोत्सवान्तुली नाटकँ - 31.1.20 - अस्तित्व (रि.) मंगळूर हंगेले "आंकवार मेस्त्री", 1.2.20 - गुरुकृपा कलारंग, मुम्बै हंगेले "एक आशीलो रायु", 2.2.20 - कोच्चिन कलाक्षेत्र, गोश्रीपुर हंगेले "जग्गलेवयलो हनुमन्तु", 3.2.20 - अन्त्रुज ललितक, फोंडा हंगेले "सुवारी"

पुनःप्रतिष्ठा - वी. लक्ष्मण पै, कोच्ची

केरळेश्वरा श्रीपरमेश्वरा
पार्वतीपतये सांबसदाशिवा
केतकीवर्ज्जना - श्रीविश्वनाथा
शिवशंभो तुं बहुगणसेविता (के)

ग्रीष्मऋतुवर्ण श्रीगुरुवारु
विकारि संवत्सरु आषाढ मासु
तिथि ती दशमी नक्षत्र स्वाती
प्रतिष्ठा ती जल्ली शुभमुहूर्तारी (के)

वेदघोषान् नामसङ्कीर्तनान्
नित्य बिल्वार्चन करतायि भक्तीन्
गोश्रीपुरान्तु विराजमान जाव्नु
राक भक्तांक तू प्रसन्न जाव्नु (के)



प्रा. अरुण साखरदांडे हंका गोवा कोंकणी अकादेमीचे नवे अध्यक्ष जाव्नु नियमित केल्ला।

सिन्दूर भगवती

- उमेश टी. भट, कोच्ची

सिन्दूर भगवतीक तल्पूले आघोषु
दुर्गा मातेक उत्सवाघोषु।
पुष्पालंकारु हरिद्रा लेपन
चैतन्यात्मक देवीलें दर्शन।।

कुंकुमार्चना पडकळे फुल्लान
भाग्यसूक्त पुष्पाञ्जलि भक्ति भावान।
दीप जळोव्नु हत्तान ताळु दोर्नु
भगवति पाठु म्हणताय भक्तीन।।

कल्मष नाशिनि महेश्वरी
भोगन्तय्ये तूं सर्वेश्वरी।
मंगलकारिणी परमेश्वरी
शत्रुसंहारिणी जगदीश्वरी।।



मगिलें दित्ता तूं भोगन्तय्ये
सेन्द्रा भोगन्तय्ये महामाये।
भक्तप्रसादिनि करुणामये
राक तूं अम्का शिवप्रिये।।

साहित्य अकादेमी अनि कोंकणी * 22.12.2019 श्रीसातेरी धालोमांड, हातुरलिम मये, बिचोलिम (गोंय) :- साहित्य अकादेमी अनि सारा क्रिएशन (मये गोंय) एकमेळ्नु "ग्रामलोक" (गोंयच्या लोकसाहित्याची गिरेस्त परंपरा) कार्यावळी घडोव्नु हळ्ळी। हनुमंत चोपडेकार, भूषण भावे, दिलीप धारगळकार, लाडू पवार, कमळ कळंगुटकार, चंद्रकला चोपडेकार, सखी चोपडेकार वांटेकार जल्ले। * 21-12-19 राजीव गांधी कलामंदिर सभाघर, पोंडा-कुर्टी मार्ग, बेटोरा (गोंय):- हन्नीयि, साहित्य अकादेमीयि एकमेळ्नु "आविष्कार" कार्यक्रमु घडोव्नु हळ्ळो। हन्तु रामानंद रायकर अनि संगातियानि मनोहर राय सरदेसाईले काव्य "कोंकणी श्रीराम गीता" प्रस्तुत केल्लें। * 9.1.20 पणजी :- कोंकणी साहित्य अकादेमीन कोंकणी लेखक संघ अनि कॉलेज ओफ आर्टस ॲण्ड सायन्स-मिरामार एकमेळ्नु "म्हज्या जनेलांतल्यान" कार्यावळ आयोजित केल्ली। रमेश वेळुसकार हांच्यो कोंकणी काव्य रचना अनि साहित्य प्रवर्तन संबदी दिलीप बोरकरान उलोवप दिल्लें।

Reg. No. KERKON/2012/45527
Vol. No. 9 Issue No. 2
Rs. 10/- No of Pages: 20 SPANDAN
Published by : KERALA KONKANI ACADEMY, KOCHI
Registered KL/EKM/732/2018-20
Licence No. KL/CR/EKM/WPP-22/2018-20
Licensed to Post Without Prepayment
Date of Posting 10. 02. 2020

Printed and published by Suresh A. Shenoi on behalf of Kerala Konkani Academy and Printed at M/s. Prakash Process, Srinivasa Mallan Road, Ernakulam, Kochi - 682 035, Ph: 2350960 and Published at 8/28, Santheri, 1st Floor, Opp. M.S.C. Bank Ltd., Cherlai Road, Kochi - 682 002. Editor - Suresh A. Shenoi